महात्मा गाँधी बालिका विद्यालय (पी.जी.) कॉलेज
फिरोजाबाद

(NAAC Accredited: B+ Grade)

सम्बद्धः डॉ0 भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

दिव्यांग सहायता एवं वचिंत समूह सहायता योजना

प्रचार प्रसार प्रकोष्ठ

सत्र– 2025–26

अनुसूचित जाति वर्ग की छात्राओं के लिए निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला

''डेकोरेटिव पेंटर ग्लासवेयर''

दिनांक–08.10.2025

प्रो0 प्रियदर्शिनी उपाध्याय	डॉ0 चर्चा	श्रीमती प्रज्ञा केसरवानी
प्राचार्या	सहसंयोजिका	संयोजिका

कार्यशाला

कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना आज की प्रमुख आवश्यकता है। इसी उद्देश्य सेकांच उद्योग विकास केंद्र एवं महात्मा गांधी बालिका विद्यालय पीजी कॉलेज फिरोजाबाद के MOU स्वीकरण के तहतदिव्यांग सहायता एवं वंचित समूह सहायता प्रचार प्रसार प्रकोष्ठ के अंतर्गत अनुसूचित जाति की छात्राओं में कांच आधारित उद्योग कौशल विकास कर उन्हें स्वरोजगार के प्रति जागरूक करने तथा विभिन्न संस्थाओं में रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से महाविद्यालय में दिनांक: 08/10/2025 को डेकोरेटिव पेंटर ग्लासवेयर कोर्स की 390 घंटे की कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. ज्योति जैन द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं को कांच उद्योग से संबंधित नई-नई कलाओं, आकर्षक डिजाइनों एवं आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी तथा उन्हें अपने हुनर को निखारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कौशल आधारित प्रशिक्षण आज के समय में छात्राओं को आत्मविश्वास एवं स्वावलंबन प्रदान करता है।

कार्यशाला की संयोजिका चित्रकला विभाग की श्रीमती प्रज्ञा केसरवानी तथा सह-संयोजिका समाजशास्त्र विभाग की डॉ. चर्चा रहीं। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर कीर्ति द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर प्रीति सिंह पटेल ने प्रस्तुत किया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 प्रियदर्शिनी उपाध्याय के निर्देशन में यह कार्यशाला आयोजित की गई, जिनके मार्गदर्शन से कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सफल रूप से संपन्न किया गया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को काँच के सामान पर सजावटी डिजाइन और पेंटिंगकी तकनीक सिखाना, उनकी रचनात्मकता

को विकसित करना तथा उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए तैयार करना था। प्रशिक्षण के दौरान सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया गया।

छात्राओं को ग्लासवेयर उद्योग का परिचय दिया गया। उन्हें काँच के विभिन्न प्रकार, उपयोग होने वाले उपकरण और रंगों की जानकारी दी गई। साथ ही सुरक्षा नियमों, कार्यस्थल की स्वच्छता और सावधानियों पर विशेष जोर दिया गया। प्रारंभिक ड्राइंग अभ्यास और डिजाइन की मूल बातें सिखाई गईं।

छात्राओं को विभिन्न प्रकार के सजावटी डिजाइन बनाना सिखाया गया। रंगों के चयन, ब्रश तकनीक और काँच की सतह पर डिजाइन

ट्रांसफर करने की प्रक्रिया का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षक द्वारा प्रत्येक प्रतिभागी को व्यक्तिगत मार्गदर्शन दिया गया जिससे उनकी कला में सुधार हुआ।

उन्नत पेंटिंग तकनीकों जैसे शेडिंग, पैटर्न डिजाइन और थीम आधारित सजावट का अभ्यास कराया गया। प्रतिभागियों को समूहों में बाँटकर सामूहिक प्रोजेक्ट दिए गए जिससे उनमें टीमवर्क और सहयोग की भावना विकसित हुई। इस दौरान उनकी रचनात्मकता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

कार्यशाला की छात्राओं को कांच उद्योग विकास केंद्र पर शैक्षणिक भ्रमण हेतु भी ले जाया गया। केंद्र पर छात्राओं में डॉक्टर ज्योति जैन प्रशिक्षण करता के निर्देशन में सामूहिक रूप से ग्लास पर पेंट करना साथ ही उसे उच्च तापमान पर पकाए जाने की प्रक्रिया से भी परिचित हुई।

छात्राओं ने अपने सीखे हुए कौशल के आधार पर स्वतंत्र रूप से फाइल तैयार किए। प्रत्येक छात्राओं ने ने काँच की वस्तुओं पर अलग-अलग डिजाइन बनाकर प्रस्तुत किया। प्रशिक्षकों द्वारा उनके कार्य का मूल्यांकन किया गया और सुधार के सुझाव दिए गए।

कार्यक्रम के दौरान सह-संयोजिका डॉ. चर्चा ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें न सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। दिव्यांग सहायता एवं वंचित समूह सहायता प्रचार-प्रसार प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों ने कार्यशाला के आयोजन, व्यवस्थापन एवं संचालन में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कांच उद्योग विकास केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण सामग्री एवं तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया, जिससे कार्यक्रम की गुणवत्ता एवं उपयोगिता में वृद्धि हुई।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर प्रियदर्शिनी उपाध्याय नेछात्राओं में इस कार्यशाला के प्रति विशेष उत्साहको देखते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों में प्रतिभागिता उनके भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। साथ ही उन्होंने प्रतिभागी छात्राओं को भारत सरकार द्वारा प्रमाणित प्रमाण–पत्र भी यथा समय वितरित किए जाने की बात कही।

समापन के अवसर पर कार्यशाला संयोजिकाश्रीमती प्रज्ञा केसरवानी नेविश्वास व्यक्त किया कि यह कार्यशाला छात्राओं के कौशल विकास, आत्मनिर्भरता तथा रचनात्मक क्षमता को नई दिशा प्रदान करेगी और उन्हें समाज एवं उद्योग जगत में अपने हुनर का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा।

प्रो०प्रियदर्शिनी उपाध्याय
प्राचार्या

डॉ0 चर्चा
सहसंयोजिका

श्रीमती प्रज्ञा केसरवानी
संयोजिका
दिव्यांग सहायता एव
वंचित समूह सहायता
योजना प्रचार प्रसार प्रकोष्ठ